संस्कृति के विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। 'हो' भाषा सिंहभूम क्षेत्र में विशेष रूप में बोली जाती है और इसके बोलने वाले 'हो' जनजाति के लोग बड़ी संख्या में हैं। इसी तरह कुड़माली भाषा का संबंध पश्चिमी बंगाल एवं झारखंड के राढ़ सिविलाइजेशन से है। कुड़माली भाषा झारखंड, पश्चिमी बंगाल और ओडिशा के कुर्मी समुदाय द्वारा बोली जाती है। इसका साहित्यिक और सांस्कृतिक महत्व भी अत्यधिक है। नागपुरी भाषा भी झारखंड की राजधानी सहित पूरे राज्य में व्यापक रूप से संवाद की मूल भाषा रही है। नई शिक्षा नीति के तहत भी स्थानीय भाषाओं का स्कूली शिक्षा में प्रयोग व्यापक रूप से हो - ऐसा आग्रह किया गया है। इन भाषाओं को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल न किए जाने से इनका उस स्तर पर प्रयोग नहीं हो पाता है, जितना होना चाहिए। इन भाषाओं के संरक्षण, संवर्धन और शिक्षण में कई बाधाएं उत्पन्न होती हैं। कुड़माली, मुंडारी, खोरठा और हो भाषाओं को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया जाए। इन भाषाओं के संरक्षण, संवर्धन, विकास एवं अध्ययन हेतु केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा विशेष योजना और अनुदान प्रदान किए जाएं, जिससे इनका विकास हो सके।

अतः मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करता हूँ कि इन भाषाओं को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया जाए।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI GHANSHYAM TIWARI): The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shri Pradip Kumar Varma : Shrimati Rekha Sharma (Haryana),Shri Sujeet Kumar (Odisha), Shri Devendra Pratap Singh (Chhattisgarh), Shri Maharaja Sanajaoba Leishemba (Manipur), Shrimati Mahua Maji (Jharkhand), Shri Shambhu Sharan Patel (Bihar), Shri Deepak Prakash (Jharkhand), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri Amar Pal Maurya (Uttar Pradesh) and Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu).

उपसभाध्यक्ष (श्री घनश्याम तिवाड़ी) : धन्यवाद, प्रदीप जी। श्रीमती दर्शना सिंह।

Need for Government interventions and legislations for regulating AI-generated deepfake videos

श्रीमती दर्शना सिंह (उत्तर प्रदेश): उपसभाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे शून्यकाल में बोलने का अवसर प्रदान किया, इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। आज मैं इस सदन में आपके माध्यम से डीपफेक तकनीक के बारे में अपनी बात रखना चाहती हूँ।

महोदय, आज के युग में तकनीक हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है और तकनीक पर हमारी निर्भरता दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। एक तरफ तकनीक जहां हमारे जीवन को आसान बनाने में सहयोग कर रही है, वहीं दूसरी तरफ इससे कभी-कभी कुछ गंभीर समस्याओं का सामना भी करना पड़ रहा है। महोदय, कुछ लोग इस तकनीक का दुरुपयोग कर फर्जी जानकारी देकर समाज को नुकसान पहुंचाने का काम भी कर रहे हैं, जिससे कभी-कभी लोगों का जीवन संकट में पड़ जाता है।

महोदय, आज इस डिजिटल युग में केंद्र की मोदी जी की सरकार हम सबकी डिजिटल सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और उसके लिए सराहनीय काम भी कर रही है। इस समय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई-नई तकनीकी का विकास हो रहा है, जिसमें डीपफेक भी एक तकनीक है, जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग का उपयोग करके किसी व्यक्ति के चेहरे, आवाज या हाव-भाव को बदल देती है। महोदय, डीपफेक का दुरुपयोग एक गंभीर समस्या बन गई है, क्योंकि इस तकनीक के नकारात्मक इस्तेमाल से न केवल व्यक्तिगत गोपनीयता खतरे में पड़ सकती है, बल्कि इससे समाज में और भी कई गंभीर समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

महोदय, डीपफेक का मतलब है, एक व्यक्ति के चेहरे, आवाज या शरीर को किसी दूसरे व्यक्ति पर नकली तरीके से लगाना। यह तकनीक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग का उपयोग करके वीडियो और ऑडियो को इतना सटीक बना देती है कि असली और नकली में अंतर कर पाना बहुत ही मुश्किल होता है। महोदय, डीपफेक के नकारात्मक इस्तेमाल से कई सवाल उठते हैं, जैसे, निजता की सुरक्षा, पारदर्शिता और निष्पक्षता। आजकल इंटरनेट और वैश्विक प्लेटफॉर्म की तेजी से बढ़ती तकनीक के कारण डीपफेक के नकारात्मक प्रभाव को रोकना बहुत मुश्किल हो रहा है।

अतः मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करती हूँ कि डीपफेक तकनीक का दुरुपयोग करने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि सभी नागरिक सुरक्षित महसूस कर सकें, धन्यवाद। ...(**व्यवधान**)...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI GHANSHYAM TIWARI): The following hon. Members associated themselves with the matter raised by Shrimati Darshana Singh:- Shri Brij Lal (Uttar Pradesh), Dr. Sumer Singh Solanki (Madhya Pradesh), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shri Dhananjay Bhimrao Mahadik (Maharashtra), Shri Subhash Barala (Haryana), Shri Ram Chander Jangra (Haryana), Ms. Indu Bala Goswami (Himachal Pradesh), Shrimati Sumitra Balmik (Madhya Pradesh), Shrimati S. Phangnon Konyak (Nagaland), Dr. Ajeet Madhavrao Gopchade (Maharashtra), Shri Deepak Prakash (Jharkhand), Shrimati Ramilaben Becharbhai Bara (Gujarat), Dr. Parmar Jashvantsinh Salamsinh (Gujarat), Shrimati Maya Naroliya (Madhya Pradesh), Shri Maharaja Sanajaoba Leishemba (Manipur), Dr. Kalpana Saini (Uttarakhand), Shri Sadanand Mhalu Shet Tanavade (Goa), Dr. Sasmit Patra (Odisha) and Shri Sujeet Kumar (Odisha).

Concern over the problems faced by potato farmers in the country

श्री रामजी लाल सुमन (उत्तर प्रदेश): उपसभाध्यक्ष जी, पूरे देश में आलू किसानों की हालत बहुत खराब है। 2014 में जब श्री नरेन्द्र मोदी जी प्रधान मंत्री पद के उम्मीदवार थे, तो आगरा की जनसभा में उन्होंने आलू किसानों को आश्वस्त किया था कि जिस तरह गुजरात के बनासकांठा में